॥ श्री ॥

विद्याभवन राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला

३७

28246

वैदिक व्याकरण

लेखक

डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय

एम० ए०, पी-एच० डी०

प्राध्यापक, संस्कृत-विभाग

गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

491.2PA V

Vadic Vyakaran

28246

म्बा विद्याभवन

वाराणसी

मूल्य ३०-००

Scanned by TapScanner

विषयानुक्रम

अध्याय १	: **वर्ण-विचार** : स्वर, व्यञ्जन, उच्चारण-स्थान, रिफित संज्ञा, नामिसंज्ञा, स्वरभक्ति, ळ तथा ळ्ह।	१–४
अध्याय २	: **सन्धि** : स्वरसन्धि, व्यञ्जनसन्धि, विसर्गसन्धि, न कार विकार, स् को ष् परिवर्तन।	५–२२
अध्याय ३	: **संज्ञा व सर्वनाम** : प्रातिपदिक के रूपों की विशेषताएँ। सर्वनाम शब्दों का वर्गीकरण तथा विशेष रूप।	२३–२९
अध्याय ४	: **धातु रूप** : 'मूड' या भाव। वर्त्तमान, लिट् लकार, Aorist या लुङ् लकार, भविष्यत् काल। णिजन्त, सन्नन्त, नाम धातु।	३०–४९
अध्याय ५	: **कृदन्त प्रत्यय**	५०–५३
अध्याय ६	: **तद्धित प्रत्यय**	५४–५५
अध्याय ७	: **क्रिया-विशेषण तथा अव्यय**	५६–६२
अध्याय ८	: **स्वर तथा पद-पाठ के नियम**	६३–७२
अनुक्रमणिका	: **धातुरूपों के उदाहरणों का संकलन**	७३–७५

Scanned by TapScanner